(ख) इन मिलों की वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है ; और

(ग) इन मिलों में कुल कितने कर्मचारी थे और उनमें से कितने कर्मचारी स्थायी हैं, कितने कर्मचारी अस्थायी हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहब शिन्दे) : (क) 23 फरवरी 1968 तक मिली सूचना के अनुसार, बिहार में 17, मध्य प्रदेश में 3, उत्तर-प्रदेश में 17 चीनी मिलें सारा उपलब्ध गन्ना पेरने के बाद बन्द हो गई हैं। गन्ने के उत्पादन में गिरावट आने से गन्ने की सामान्य कमी हुई है।

(ख) और (ग) चीनी उद्योग एक मौसमी उद्योग है। जो मिलें बन्द हो चुकी हैं उनकी इस मौसम के दौरान गन्ने की दैनिक पेराई क्षमता तथा उन मिलों द्वारा नियुक्त किये गये कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है :–

	गन्ने की दैनिक पेराई क्षमता	कर्मचारियों की संख्या
बिहार	12,890	19,541
मध्य प्रदेश	2,896	3,173
उत्तर प्रदेश	20,688	17,647

स्थायी तथा अस्थायी कर्मचारियों की संख्या के बारे में अलग-अलग सूचना उपलब्ध नहीं है।

सोयाबीन के बीजों का आयात

2182. **श्री हुकुम चन्द कछवाय :**
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सोयाबीन की खेती को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1968-69 में सोयाबीन के बीजों का कितनी मात्रा में आयात किया जायेगा ;

(ख) इस आयात पर कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की जायेगी ;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में निर्यातक देशों को ऋणादेश दे दिये गये हैं, और

(घ) यदि हां, तो इन बीजों का किन-किन देशों से आयात किया जायेगा ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहब शिन्दे)) (क) भारत सरकार 200 मीट्रिक टन सोयाबीन के बीज आयात करने के सम्बन्ध में एक प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

(ख) अभी बताना संभव नहीं है।

(ग) जी नहीं।

(घ) संभवतः अमरीका से।

कनिष्ठ श्रेणी-3 कर्मचारियों को स्थायी बनाना

2184. **श्री हुकुम चन्द कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कृषि विभाग को छोड़ कर सभी मंत्रालयों तथा विभागों में कनिष्ठ श्रेणी-3 कर्मचारियों को स्थायी बना दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) विकेन्द्रीकरण के समय गृह-कार्य मंत्रालय द्वारा कृषि विभाग के लिए स्वीकृत स्थायी पदों की संख्या क्या थी उन पर प्रतिवर्ष कितने कर्मचारी स्थायी किये गये हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहब शिन्दे) : (क) अन्य विभागों व मंत्रालयों में काम करने वाले कनिष्ठ श्रेणी-3 के